3 (Sem–4/CBCS) HIN HC 3

2025

HINDI

(Honours Core)

Paper : HIN–HC–4036

(हिन्दी नाटक एवं एकांकी)

Full Marks : 80

Time : Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक का प्रकाश कब हुआ था?

(ख) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा अनूदित *किसी एक* नाटक का नाम बताइए।

(ग) 'विषकन्या' एकांकी की विषकन्या का नाम क्या है?

(घ) 'जयन्त' किस नाटक का पात्र है?

(ङ) 'हास्य-व्यंग्य' नाटक किसे कहते हैं?

(च) 'कालिदास' किस साम्राज्य के राजकवि थे?

(छ) 'भोर का तारा' एकांकी के एकांकीकार कौन हैं?

(ज) 'मेघदूत' किसकी रचना है?

(झ) 'भातृभुप्त' किस नाटक के पात्र का नाम है?

(ञ) 'बादल की मृत्यु' किसके द्वारा रचित एकांकी है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) "हाँ, मैं तक्षशिला से ही आ रहा हूँ, यहाँ तक कैसे आ गया, यह मैं नहीं जानता । हाँ, यह जानता हूँ कि आज गुप्त साम्राज्य संकट में है" – प्रस्तुत संवाद किसने किससे कहा है?

(ख) पठित एकांकी के अलावा जगदीशचन्द्र माथुर के अन्य *दो* एकांकियों के नाम लिखिए।

(ग) भारतेन्दु के किन्हीं दो मौलिक नाटकों के नाम लिखिए।

(घ) अम्बिका कालिदास से क्यों नाराज थी?

(ङ) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के पात्र विलोम की *कोई दो* चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं चार*** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'पठित एकांकी के आधार पर उदयशंकर भट्ट के एकांकियों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ख) माधव के व्यक्तित्व का परिचय दीजिए।

(ग) उद्देश्य की दृष्टि से यह स्वतन्त्रता का युग' एकांकी के महत्व पर प्रकाश डालिए।

(घ) 'भारत-दुर्दशा' *अथवा* 'अन्धेर नगरी' नाटक में चित्रित व्यंग्य पर प्रकाश डालिए।

(ङ) नाटक एवं एकांकी के त्रभुख अंतरों को स्पष्ट कीजिए।

(च) प्रसादोत्तर नाट्य-साहित्य पर एक टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"इस व्यक्ति को सामान्य लोक-व्यवहार तक का तो ज्ञान नहीं, और तुम लोक-नीति की बात कहती हो।"

अथवा

"यह क्यों आवश्यक है कि तुम उन अपेक्षाओं का पालन करो? तुम दूसरों के लिए नयी अपेक्षओं की सृष्टि कर सकते हो।"

(ख) नाट्यकथा की दृष्टि से 'भारत-दुर्दशा' *अथवा* 'अन्धेर-नगरी' नाटक की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'भारत-दुर्दशा' *अथवा* 'अन्धेर नगरी' नाटक में व्यक्त देशभक्ति पर विचार कीजिए।

(ग) प्रसादयुगीन नाट्य-साहित्य की विकास-यात्रा पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भाषा-शैली की दृष्टि से 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की समीक्षा कीजिए।

(घ) कथानक की दृष्टि से 'विषकन्या' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'भोर का तारा' एकांकी के नामकरण की सार्थकता पर विचार कीजिए।